Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies
Online ISSN 2278-8808, SJIF 2021 = 7.380,
http://www.srjis.com/issues_data?issueId=218
Peer Reviewed, Refereed & Indexed Journal, JULY-AUG, 2023, Vol- 12/78

कोरोना काल में स्नातक स्तर के विद्यार्थियों में सूचना प्रौद्योगिकी संसाधनों एवं इण्टरनेट के उपयोग अध्ययन

कुलदीप सिंह

भोधार्थी, हिमालयन गढ़वाल वि वविद्यालय, ढाड गाँव, पोखरा, जिला पौड़ी गढ़वाल।

डॉ० विकास कुमार

भोध निर्दे ाक, ि ाक्षा विभाग, हिमालयन गढ़वाल वि वविद्यालय, ढाड गाँव, पोखरा, जिला पौड़ी गढ़वाल।

Paper Received On: 21 AUG 2023

Peer Reviewed On: 27 AUG 2023

Published On: 01 SEPT 2023

Abstract

विगत वर्श में कोरोना महामारी के दौरान कक्षागत ि ाक्षण अधिकम प्रक्रिया को विभिन्न सूचना प्रौद्योगिकी एवं इण्टरनेट संसाधनों के माध्यम द्वारा संचालित किया गया। ऑनलाइन ि ाक्षण व्यवस्था ने वि व स्तर की सम्पूर्ण ि ाक्षण व्यवस्था को सुचारू से चलाने में महत्वपूर्ण योगदान किया। प्रस्तुत भोध पत्र में भोधार्थी ने स्नातक स्तर के विद्यार्थियों द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी एवं इण्टरनेट संसाधनों के उपयोग के स्तर की जानकारी प्राप्त करने का उद्दे य निर्धारित किया। भोधकर्ता ने स्नातक स्तर के (600) विद्यार्थियों का चयन "अस्तरिकृत यादृच्छिक विधि" द्वारा किया गया। स्वनिर्मित सूचना प्रौद्योगिकी एवं इण्टरनेट मापनी से प्राप्त आंकडो के सांख्यिकीकरण से ज्ञात हुआ कि सरकारी महाविद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की अपेक्षा प्राइवेट महाविद्यालयों में अध्ययनरत् स्नातक स्तर के विद्यार्थियों द्वारा इण्टरनेट पर अधिक समय का बिताना, अधिक इण्टरनेट डाटा के प्रयोग, अधिक सो ाल मीडिया के माध्यम, अधिक भौक्षणिक एवं मनोरजन के लिए सूचना प्रौद्योगिकी एवं इण्टरनेट संसाधनों का प्रयोग अधिक करते पाये गये।

मुख्य बिन्दू– कोरोना महामारी, सूचना प्रौद्योगिकी एवं इण्टरनेट संसाधन एवं स्नातक स्तर के विद्यार्थी।

Scholarly Research Journal's is licensed Based on a work at www.srjis.com

प्रस्तावना–

शिक्षा ही किसी व्यक्ति समाज और राष्ट्र को विकास एवं परिवर्तन के लिए प्रतिबद्ध होती है। उन्नत, आदर्श एवं व्यवस्थित समाज के लिए उन्नत, आदर्श एवं उत्कृष्ट शिक्षा व्यवस्था की नितान्त आवश्यकता होती है। 21 भाताब्दी के आरम्भ में ही सम्पूर्ण पृथ्वी पर आई कोराना जैसी आपदा की कल्पना मानव समाज ने कभी भी नही की होगी, इसका प्रभाव पृथ्वी पर रहने वाले समस्त जीवों पर प्रत्यक्ष रूप से देखा गया। जिसने सम्पूर्ण वि व की न केवल ि ाक्षण व्यवस्था बल्कि मानव से सम्बन्धित सभी व्यवस्थाओं को नकारात्मक रूप से प्रभावित हुआ। वरदार के रूप में प्राप्त सूचना प्रौद्योगिकी एवं इण्टरनेट संसाधनों तथा नूतन तकनीकी के माध्यम सें ि ाक्षण को सुचारू से अग्रसरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। के–12 शिक्षकों के लिए विद्यार्थियों की सहभागिता का विकास तथा उसे बनाए रखने और विद्यार्थियों के लिए 21 वीं सदी एवं शैक्षिक प्रौद्योगिकी कौशल विकसित करने के अवसरों को बढ़ाना में महत्वपूर्ण महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, **बांड** (2020)। वर्तमान में नई शैक्षिक प्रौद्योगिकी वंचित समूहों के लिए शिक्षा के अंतर्गत उच्च गुणवत्ता युक्त सीखने के अवसरों की विस्तार करने की क्षमता एवं ऑनलाइन तौर–तरीकों में छात्रों के लिए पहुंच एवं समता के लिए प्रमुखतम विचारों में से एक है, **फलेरी एवं बुरबुलस** (2022)।

सूचना प्रौद्योगिकी एवं इण्टरनेट संसाधनों के द्वारा पारम्परिक रूप से कक्षाकक्ष में औपचारिक रूप से चलने वाली ि ाक्षण क्रियाओं को एक नया आयाम प्रस्तुत किया। ऑनलाइन ि ाक्षण क्रियायें कम्प्यूटर एवं मोबाइल द्वारा ि ाक्षण कार्यो को विभिन्न मंचों के माध्यम से किया गया। ऑनलाइन शिक्षण माध्यम मूल रूप से ऐसे अधिगम

Copyright © 2023, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

सिस्टम का वर्णन करते हैं, जो कंप्यूटर आधारित इंटरनेट प्रौद्योगिकी पर आधारित हैं, **फौजी एवं कुसमा (2020)** तथा ऐसा पर्यावरण उपलब्ध कराते हैं, जहाँ प्रौद्योगिकी की मध्यस्थता के साथ अधिगम घटित होता है, **फररूदीन एवं अन्य (2022)।** कोरोना काल से पूर्ण इण्टरनेट के द्वारा ऑनलाइन माध्यम से अपनी सुविधानुसार शिक्षा प्राप्त कर रहे थे। लेकिन कोरोना काल के दौरान ि क्षण करने माध्यमों, संसाधनों, अध्ययन करने के स्थान, तकनीकी, मंच आदि भी परिवर्तित हुए हैं सूचना प्रौद्योगिकी एवं इण्टरनेट संसाधनों में SWAYAM, YOUTUBE, E-PATSALA, GOOGLE MEET APP AND ZOOM APP आदि के माध्यम से अपनी शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को पूर्ण कर रहे थे।

वर्तमान परिस्थिति हमें ऑनलाइन माध्यम के माध्यम से ज्ञानार्जन के लगातार नित नवीन अवसर प्रदान कर रहा है। कोरोना काल में ि क्षण कार्य ऑनलाइन ि क्षण सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (इण्टरनेट) के फलस्वरूप ही सम्भव हो पाया। सरल शब्दों में देखे तो सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी वह तकनीक है जिसके माध्यम से हम सूचनाओं को शोधित एवं प्रभावी रूप से प्राप्त कर उनका संग्रह कर सरलतापूर्वक उपयोग करते हैं।

अनुसंधान की आव यकता –

जीवन की सुरक्षा सबसे पहली प्राथमिकता है, साथ ही अन्य आव यकताओं में स्वयं को विभिन्न कठिनाईयों का सामना करना। कठिनाईयों का सामना करने के लिए स्वयं की ि क्षित करना। कोरोना महामारी के सम्पूर्ण ि क्षण व्यवस्था स्थिर हो गई थी। इसी समय वरदान के रूप साबित हुई इण्टरनेटर एवं सूचना प्रौद्योगिकी संसाधनों ने इस विशम परिस्थितियों में मानव जाति को ि क्षित करने में आपना महत्वपूर्ण सहयोग किया। इस महामारी काल में हम ऑन लाइन ि क्षा के फायदे उठाकर ही अगले वर्श की सभी परीक्षाओं को ध्यान में रखकर तैयारी करे। छात्र इंटरनेट का सद्पयोग पढाई के रूप में करे न की दुरूपयोग के रूप में। क्योकि इंटरनेट का ज्यादा प्रयोग हमारी एकाग्रता को भंग कर सकता है। विभिन्न प्रकार की सामग्री इंटरनेट पर उपलब्ध है। अतः छात्र केवल अपने प्रयोग में आने वाली सामग्री का ही प्रयोग करे। साथ सभी माता पिता की जिम्मेदारी है किवे अपने बच्चों को मानसिक व भाारीरिक रूप से स्वस्थ रहने मे सहायक बने। उनका हौसला बढाये ताकि वे आने वाली सभी प्रकार कि समस्याओं का जीवन में सामना कर सके और ि क्षा के उद्दे यों को सकारा कर सकें।

भाोध अध्ययन में प्रयुक्त चरों की सक्रियात्मक परिभाशा–

स्नातक स्तर के विद्यार्थी– इण्टरमीडिएट कक्षाओं में उत्तर्णी होने के प चात् महाविद्यालयों एवं वि वविद्यालयों में अध्ययन कार्य करने वाले विद्यार्थी स्नातक स्तर के विद्यार्थी कहलाते है।

सूचना प्रौधोगिकी संसाधनों एवं इण्टरनेट संसाधन – प्रस्तुत भाोध अध्ययन में सूचना प्रौधोगिकी एवं इण्टरनेट संसाधनों से भाोधकर्ता का आ ाय ऐसे संसाधनों से है, जिसके द्वारा व्यक्तिगत संबंधों, दैनिक कार्यप्रणाली, भौक्षणिक गतिविधियाँ, सूचनाओं के आदान प्रदान एवं अन्य मनोरंजन कार्य करने के लिए प्रयोग किये जाते है।

भाोध उद्दे य

- कोरानों काल में स्नातक स्तर के विद्यार्थियों में सूचना प्रौद्योगिकी एवं इण्टरनेट संसाधनों के उपयोग की जानकारी प्राप्त करना।

भाोध परिकल्पना

- कोरानों काल में सरकारी एवं निजी महाविद्यालयों में अध्ययनरत् स्नातक स्तर के विद्यार्थियों में सूचना प्रौधोगिकी संसाधनों एवं इण्टरनेट के प्रयोग में कोई सार्थक अन्तर नही है।

भाोध सीमाकन

Copyright © 2023, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

- प्रस्तुत भोध अध्ययन हेमवती नन्दन बहुगुणा गढ़वाल वि वविद्यालय, श्रीनगर एवं श्री देव सुमन वि व विद्यालय, बाद ाही थौल, नई टिहरी गढ़वाल द्वारा मान्यता प्राप्त महाविद्यालयों में अध्ययनरत् स्नातक स्तर के विद्यार्थियों से सम्बन्धित है।

भोध प्रविधि

अनुसंधान विधि– प्रस्तुत शोध पत्र में सूचना प्रौद्योगिकी एवं इण्टरनेट संसाधनों के उपयोग के अध्ययन करने के लिए विवरणात्मक विधि का प्रयोग किया गया है।

जनसंख्या– उत्तराखण्ड राज्य के हेमवती नन्दन बहुगुणा गढ़वाल वि वविद्यालय, श्रीनगर एवं श्री देव सुमन वि व विद्यालय, बाद ाही थौल, नई टिहरी गढ़वाल से मान्यता प्राप्त महाविद्यालयों के (सरकारी एवं निजी महाविद्यालय) स्नातक स्तर के विद्यार्थी भोध जनसंख्या से सम्बन्धित है।

न्याद र्ा विधि एवं न्याद र्ान– भोध उद्दे य का अध्ययन करने के लिए महाविद्यालयों के स्नातक स्तर के 600 विद्यार्थियों का चयन अस्तरीकृत यादृच्छिक विधि द्वारा किया गया।

भोध में प्रयुक्त चर–प्रस्तुत भोध में भोधकर्ता ने स्वतंन्त्र चर के रूप में सूचना प्रौद्योगिकी एवं इण्टरनेट संसाधनो के उपयोग से है।

भोध उपकरण– सूचना प्रौद्योगिकी संसाधन एवं इण्टरनेट उपयोग मापनी का निर्माण भोधार्थी द्वारा किया गया।

सांख्यिकीकरण– प्राप्त आंकड़ों के सांख्यिकीकरण के लिए मध्यमान, मानक विचलन एवं क्रांतिक अनुपात का प्रयोग किया गया।

सांख्यिकी वि लेशण एवं व्याख्या– भोधकर्ता ने आंकडों के एकत्रीकरण के प चात् विवरणात्मक एवं अनुमानित सांख्यकिकी का प्रयोग किया गया।

तालिका सख्या 1.1. स्नातक स्तर के विद्यार्थियों का विवरण।

महाविद्यालयों के प्रकार	संख्या	प्रतिशत
सरकारी महाविद्यालय	210	35.0%
प्राइवेट महाविद्यालय	390	65.0%
कुल योग	600	100%

तालिका संख्या 1.1 में भोधकर्ता ने अनुसंधान के लिए उत्तराखण्ड़ के हेमवती नन्दन बहुगुणा गढ़वाल केन्द्रीय वि वविद्यालय, श्रीनगर गढ़वाल तथा श्री देव सुमन वि वविद्यालय, नई टिहरी से सम्बद्ध सरकारी एवं प्राइवेट महाविद्यालयों से स्नातक स्तर पर अध्ययनरत् चयनित विद्यार्थियों का विवरण दिया है। जिसमें भोधकर्ता ने सरकारी महाविद्यालय से 210 (35 प्रति ात) तथा प्राइवेट 390 (65 प्रति ात) विद्यार्थियों का चयन किया है।

तालिका संख्या 1.2 सूचना प्रोद्यौगिकी एवं इण्टरनेट संसाधनो के प्रयोग विवरण।

इण्टरनेट समय	सुबह के समय		दोपहर के समय		रात के समय	
महाविद्यालयों के प्रकार	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
सरकारी महाविद्यालय	23	24.7%	46	35.4%	141	37.4%
प्राइवेट महाविद्यालय	70	75.3%	84	64.6%	236	62.6%
कुल विद्यार्थी	93	100%	130	100%	377	100%

तालिका संख्या 1.2 में सूचना संसाधन एवं इण्टनेट संसाधनों को प्रयोग करने वाले विद्यार्थियों में सर्वाधिक रात के समय प्रयोग करने वाले कुल 377 विद्यार्थी पाये गये, साथ ही सुबह के समय सर्वाधिक प्राइवेट महाविद्यालयों

के 70 (75 प्रति ात), दोपहर के समय सर्वाधिक 86 (64.6 प्रति ात) तथा रात के समय में 236 (62.6 प्रति ात) विद्यार्थी प्राइवेट महाविद्यालय के विद्यार्थी पाये गये।

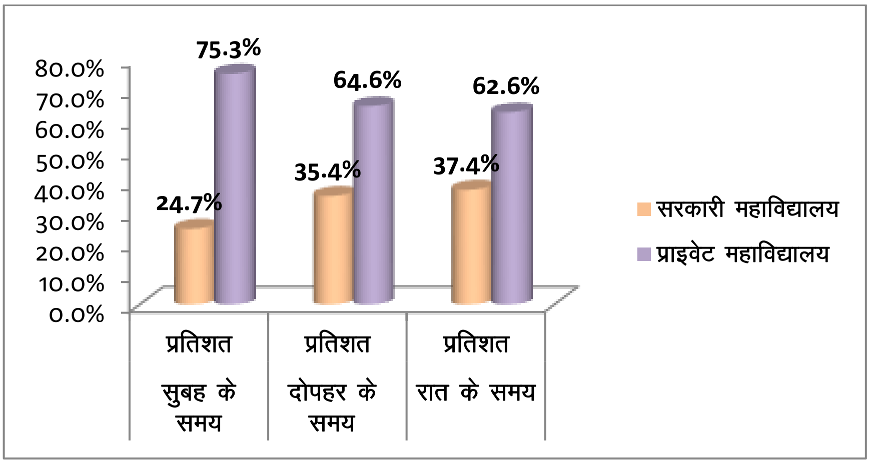

आरेख संख्या 1.1 सूचना प्रोद्यौगिकी एवं इण्टरनेट संसाधनो के प्रयोग का विवरण।

आरेख संख्या 1.1 से प्रदर्िात होता है कि सूचना संसाधन एवं इण्टरनेट संसाधनों का सुबह के समय, दोपहर के समय तथा रात के समय उपयोग करने वाले प्राइवेट महाविद्यालयों के ही विद्यार्थी है।

तालिका संख्या 1.3 सो ाल मीडिया के प्रयोग का महाविद्यालयों के आधार पर विवरण।

सो ाल मीडिया के प्रकार	फेसबुक एवं इन्सटाग्राम		मॉक का प्रयोग		यू–टयूब	
महाविद्यालयों के प्रकार	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
सरकारी महाविद्यालय	18	20.5%	90	40.0%	102	35.5%
प्राइवेट महाविद्यालय	70	79.5%	135	60.0%	185	64.5%
कुल विद्यार्थी	88	100%	225	100%	287	100%

तालिका संख्या 1.3 में सो ाल मीडियां के विभिन्न प्रकार के उपयोग के आधार पर महाविद्यालयों के विद्यार्थियों का विवरण है। सरकारी एवं प्राइवेट महाविद्यालयों में से प्राइवेट महाविद्यालय के विद्यार्थी सर्वाधिक सो ाल मीडियां संसाधनों का प्रयोग करने वाले पाये गये। जिसमें फेसबुक एवं इन्सटाग्राम का प्रयोग करने में सर्वाधिक 70 (79.5 प्रति ात) प्रयोग करने वाले विद्यार्थी प्राइवेट महाविद्यालय से सम्बन्धित है, मॉक (मेसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स) का प्रयोग करने वाले सर्वाधिक 135 (60 प्रति ात) विद्यार्थी प्राइवेट महाविद्यालयों से सम्बन्धित है तथा यू–टयूब का प्रयोग करने वाले सर्वाधिक 185 (64.5 प्रति ात) भी प्राइवेट महाविद्यालय के विद्यार्थी पाये गये।

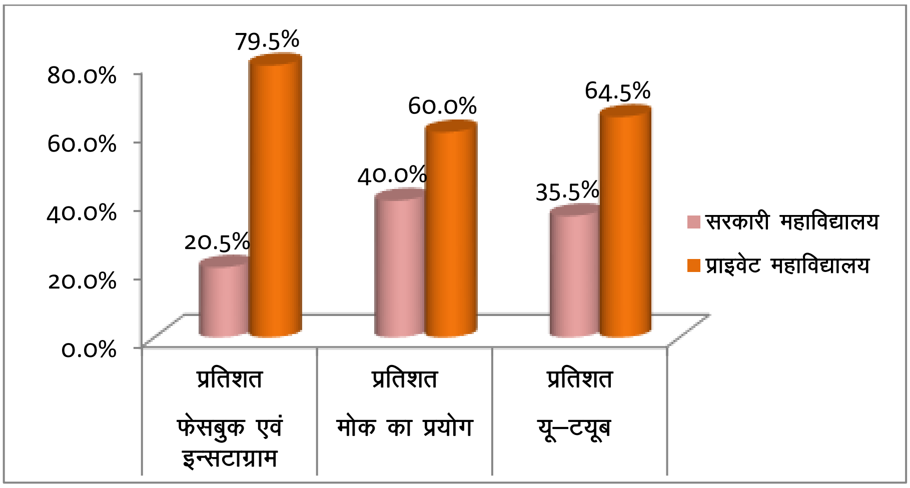

आरेख संख्या 1.2 सो ाल मीडिया के प्रयोग का महाविद्यालयों के आधार पर विवरण।

आरेख संख्या 1.2 से प्रद ित होता है कि प्राइवेट महाविद्यालय के विद्यार्थी सो ाल मीडियां मे फेसबुक एवं इन्सटाग्राम, मॉक तथा यू–टयूब का प्रयोग करने वाले पाये गये।

तालिका संख्या 1.4 इण्टरनेट डाटा का प्रयोग का महाविद्यालयों के आधार पर विवरण।

इण्टरनेट डाटा	मोबाइल डाटा		ब्रॉडबैंड		वाई–फाई	
महाविद्यालयों के प्रकार	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
सरकारी महाविद्यालय	15	18.5%	117	40.8%	78	33.6%
प्राइवेट महाविद्यालय	66	81.5%	170	59.2%	154	66.4%
कुल विद्यार्थी	81	100%	287	100%	232	100%

तालिका संख्या 1.4 में स्नातक स्तर के विद्यार्थियों को विभिन्न इण्टरनेट डाटा के माध्यमों के प्रयोग का विवरण दिया गया है। मोबाइल डाटा का सर्वाधिक 66 (81.5 प्रति ात) प्रयोग प्राइवेट महाविद्यालय में अध्ययनरत् विद्यार्थी है। ब्रॉडबैंड के उपयोग में सर्वाधिक 170 (59.2 प्रति ात) विद्यार्थी प्राइवेट महाविद्यालय से सम्बन्धित पाये गये साथ ही वाई–फाई इण्टरनेट डाटा के प्रयोग में सर्वाधिक 154 (66.4 प्रति ात) विद्यार्थी भी प्राइवेट महाविद्यालयो से सम्बन्धित विद्यार्थी है।

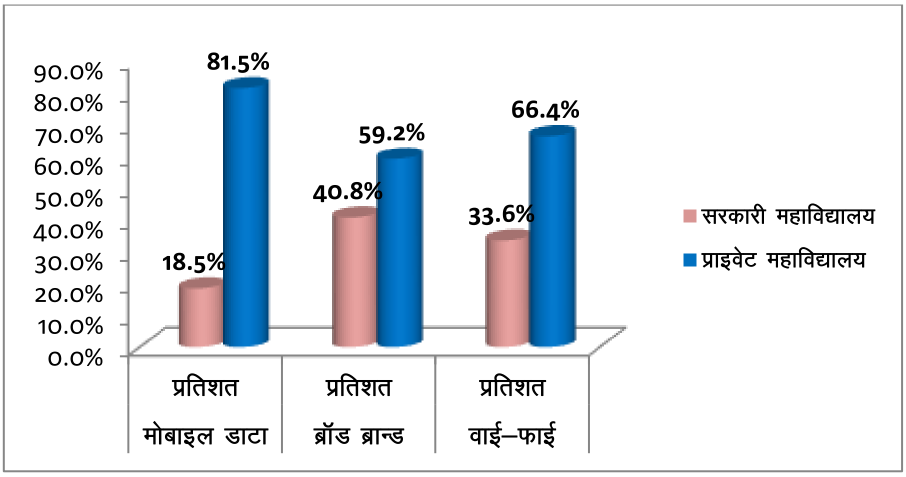

आरेख संख्या 1.3 इण्टरनेट डाटा का प्रयोग का महाविद्यालयों के आधार पर विवरण।

Copyright © 2023, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

आरेख संख्या 1.3 से प्रदर्शित होता है कि प्राईवेट महाविद्यालयों के विद्यार्थी मोबाइल डाटा, ब्रॉडबैंड एवं वाईफाई के उपयोग सरकारी महाविद्यालयों के विद्यार्थियों से अधिक करते है।

तालिका संख्या 1.5 विद्यार्थियों द्वारा इण्टरनेट के प्रयोग का विवरण।

इण्टरनेट का प्रयोग	ऑनलाइन खेल		पाठ्यक्रम अध्ययन		समाचार एवं सूचनाऐं	
महाविद्यालय	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
सरकारी	9	15.0%	106	38.8%	95	35.6%
प्राइवेट	51	85.0%	167	61.2%	172	64.4%
कुल विद्यार्थी	60	100%	273	100%	267	100%

तालिका संख्या 1.5 में महाविद्यालयों के स्नातक स्तर के विद्यार्थियों द्वारा इण्टरनेट के उपयोग का विवरण प्रस्तुत किया गया है। जिसके अन्तर्गत ऑनलाइन खेल में संलग्न सर्वाधिक 51 (85.5 प्रतिशत) प्रयोग प्राइवेट महाविद्यालय में अध्ययनरत् विद्यार्थी तथा सबसे कम 9 (15 प्रतिशत) विद्यार्थी सरकारी महाविद्यालयों से सम्बन्धित पाये गये। पाठ्यक्रम सम्बन्धित अध्ययन करने मे सर्वाधिक 167 (61.2 प्रतिशत) विद्यार्थी प्राइवेट महाविद्यालय से तथा सबसे कम 106 (38 प्रतिशत) विद्यार्थी सरकारी महाविद्यालयों सम्बन्धित पाये गये साथ ही समाचारों के अध्ययन से सम्बन्धित सर्वाधिक 172 (64.4 प्रतिशत) विद्यार्थी भी प्राइवेट महाविद्यालयो से सम्बन्धित विद्यार्थी पाये गये।

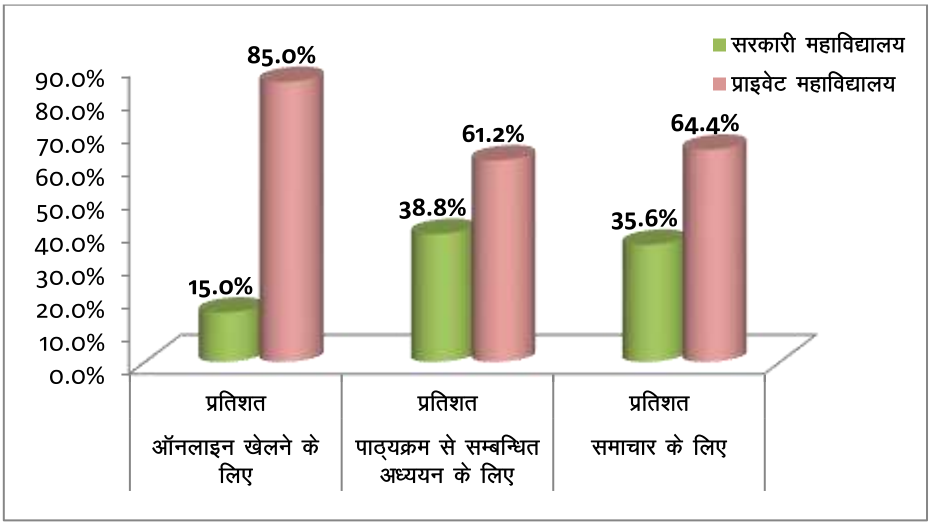

आरेख संख्या 1.4 इण्टरनेट डाटा का प्रयोग का महाविद्यालयों के आधार पर विवरण।

आरेख संख्या 1.4 से अवलोकित होता है कि इण्टरनेट के विभिन्न प्रयोग जैसे ऑनलाइन खेलने, पाठ्यक्रम सम्बन्धित सामग्री के अध्ययन तथा समाचार पत्रों के अध्ययन में प्राइवेट महाविद्यालयों के विद्यार्थियों की संख्या सरकारी महाविद्यालयों के विद्यार्थियों से अधिक पाये गये।

तालिका संख्या 1.6 इण्टरनेट डाटा का प्रयोग का महाविद्यालयों के आधार पर विवरण।

इण्टरनेट डाटा की मात्रा	एक जी0बी0 डाटा		दो से तीन जी0बी0 डाटा		तीन से अधिक जी0बी0 डाटा	
महाविद्यालय	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत

Copyright © 2023, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

सरकारी	67	36.2%	64	33.9%	79	35.0%
प्राइवेट	118	63.8%	125	66.1%	147	65.0%
कुल विद्यार्थी	185	100%	189	100%	226	100%

तालिका संख्या 1.6 में महाविद्यालयों में अध्ययन करने वाले स्नातक स्तर के विद्यार्थियों द्वारा इण्टरनेट डाटा की मात्रा के उपयोग का विवरण प्रस्तुत किया गया है। जिसके अन्तर्गत विद्यार्थियों की सर्वाधिक संख्या 226 तीन जी0बी0 डाटा से अधिक का प्रयोग करने वाले विद्यार्थी पाये गये है। प्राईवेट महाविद्यालयों में अध्ययन करने वाले सर्वाधिक 118 (63.8 प्रति ात) एक जी0बी0 डाटा का प्रयोग करने में तथा सबसे कम प्रयोग करने में 67 (36.2 प्रति ात) विद्यार्थी सरकारी महाविद्यालय के विद्यार्थी पाये गये है। दो से तीन जी0बी0 एवं तीन जी0बी0 से अधिक डाटा का सर्वाधिक उपयोग क्रम ाः 125 (66.1 प्रति ात) तथा 147 (65 प्रति ात) प्राइवेट महाविद्यालय में अध्ययन करने वाले विद्यार्थी है, तथा सरकारी महाविद्यालयों में अध्ययन करने वाले विद्यार्थी क्रम ाः 64 (33.9 प्रति ात) तथा 79 (35 प्रति ात) पाये गये है।

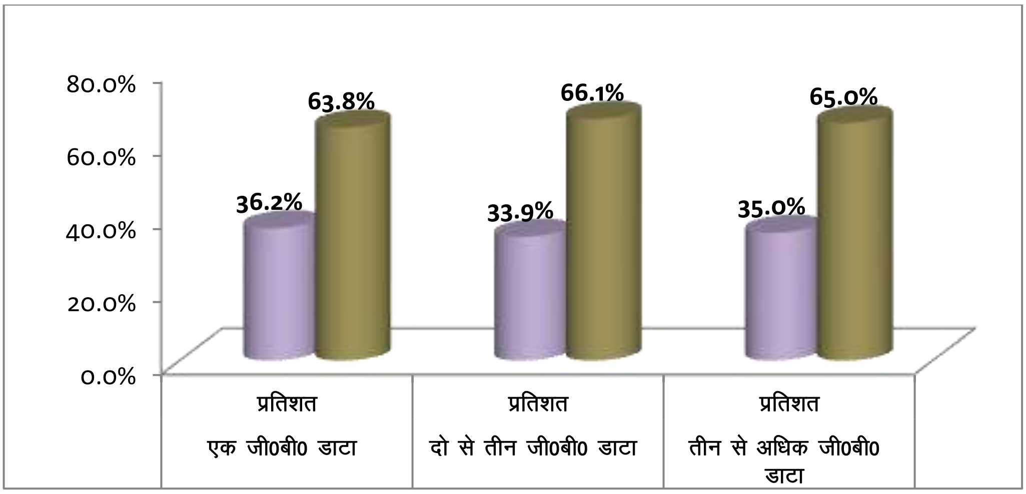

आरेख संख्या 1.5 इण्टरनेट डाटा का प्रयोग का महाविद्यालयों के आधार पर विवरण।

आरेख संख्या 1.5 से प्रद ाित होता है कि प्राइवेट महाविद्यालयों में अध्ययन करने वाले विद्यार्थी सरकारी महाविद्यालयों के विद्यार्थियों से अधिक इण्टरनेट डाटा का प्रयोग करते पाये गये।

तालिका संख्या 1.7 सूचना प्रोद्यौगिकी संसाधनों एवं इण्टरनेट का प्रयोग का विवरण।

सूचना प्रोद्यौगिकी संसाधनों एवं इण्टरनेट का प्रयोग	अधिक उपयोग		समान्य उपयोग		निम्न उपयोग	
महाविद्यालय	**संख्या**	**प्रतिशत**	**संख्या**	**प्रतिशत**	**संख्या**	**प्रतिशत**
सरकारी महाविद्यालय	81	31.9%	59	31.9%	70	43.5%
प्राइवेट महाविद्यालय	173	68.1%	126	68.1%	91	56.5%
कुल विद्यार्थी	254	100%	185	100%	161	100%

तालिका संख्या 1.7 में सूचना प्रोद्यौगिकी संसाधनों एवं इण्टरनेट के प्रयोग का महाविद्यालयों के विद्यार्थियों का विवरण प्रस्तुत किया गया है। सूचना प्रोद्यौगिकी संसाधनों एवं इण्टरनेट के प्रयोग करने वाले प्राइवेट महाविद्यालयों के विद्यार्थियों में सर्वाधिक उपयोग, सामान्य उपयोग एवं निम्न उपयोग क्रम ाः 173 (68.1 प्रति ात),

126 (68.1 प्रति ात), 91 (56.5 प्रति ात) है। वही सरकारी महाविद्यालयों के विद्यार्थियों में सर्वाधिक उपयोग, सामान्य उपयोग एवं निम्न उपयोग क्रम ाः 81 (31.9 प्रति ात), 59 (31.9 प्रति ात), 70 (43.5 प्रति ात) है।

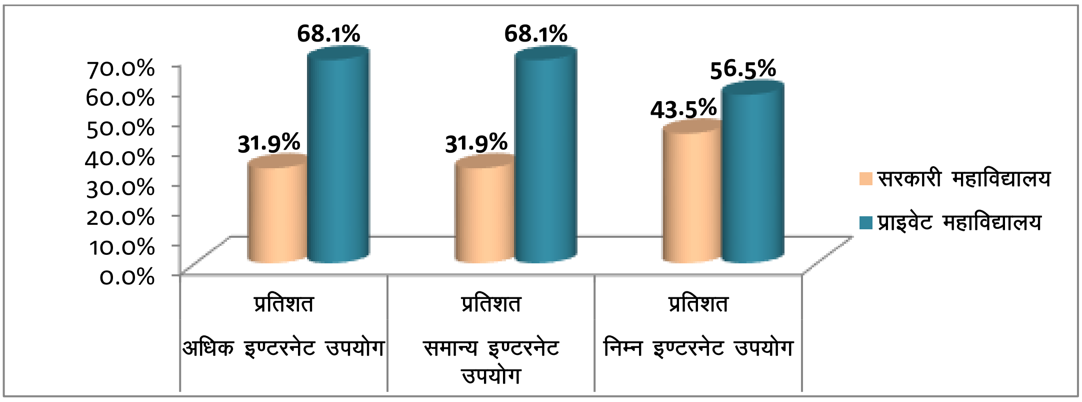

आरेख संख्या 1.6 सूचना प्रोद्यौगिकी संसाधनों एवं इण्टरनेट का प्रयोग का विवरण।

आरेख संख्या 1.6 से अवलोकित होता कि सूचना प्रोद्यौगिकी संसाधनों एवं इण्टरनेट का सर्वाधिक उपयोग करने वाले विद्यार्थी प्राइवेट महाविद्यालयों अध्ययन करने वाले है।

तालिका संख्या 1.8 सरकारी एवं प्राइवेट महाविद्यालयों में अध्ययरत् स्नातक स्तर के विद्यार्थियों में सूचना प्रौधोगिकी संसाधनों एवं इण्टरनेट के उपयोग का विवरण।

चर	विद्यार्थी	माध्यमान	मानक विचलन	टी मान	पी मान	सार्थकता
सूचना प्रोद्यौगिकी एवं इण्टरनेट संसाधन का उपयोग	सरकारी महाविद्यालय	119.97	28.703	2.046	0.042	सार्थक
	प्राइवेट महाविद्यालय	124.98	28.585			

(स्वतन्त्रता स्तर = 598) **(सार्थकता स्तर = 0.05 एवं 0.01)**

तालिका संख्या 1.8 में सरकारी एवं प्राइवेट महाविद्यालय के स्नातक स्तर के विद्यार्थियों के सूचना प्रोद्यौगिकी एवं इण्टरनेट संसाधनों के उपयोग के उपयोग के मध्यमान एवं मानक विचलन क्रम ाः 119.97 एवं 28. 703 व 124.98 एवं 28.585 पाया गया। मध्यमानों के अन्तर की सार्थकता के लिए टी परीक्षण का प्रयोग किया गया। स्वतन्त्रता स्तर 599 पर "टी" का मान = 2.046 ("पी" मान = 0.042) जो सार्थकता स्तर 0.05 पर सार्थक पाया गया।

उपरोक्त विश्लेषण से ज्ञात होता है, कि पूर्व प्रस्तावित शून्य परिकल्पना "कोरानों काल में सरकारी एवं प्राइवेट महाविद्यालयों में अध्ययरत् स्नातक स्तर के विद्यार्थियों में सूचना प्रौधोगिकी संसाधनों एवं इण्टरनेट के प्रयोग में कोई सार्थक अन्तर नही है"। जो सार्थकता स्तर 0.05 पर अस्वीकृत की जाती है। अतः निश्कर्श के रूप में कहा जा सकता है, सरकारी एवं प्राइवेट महाविद्यालयों के स्नातक स्तर के विद्यार्थियों के सूचना प्रौधोगिकी संसाधनों एवं इण्टरनेट के प्रयोग में अन्तर है।

Copyright © 2023, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

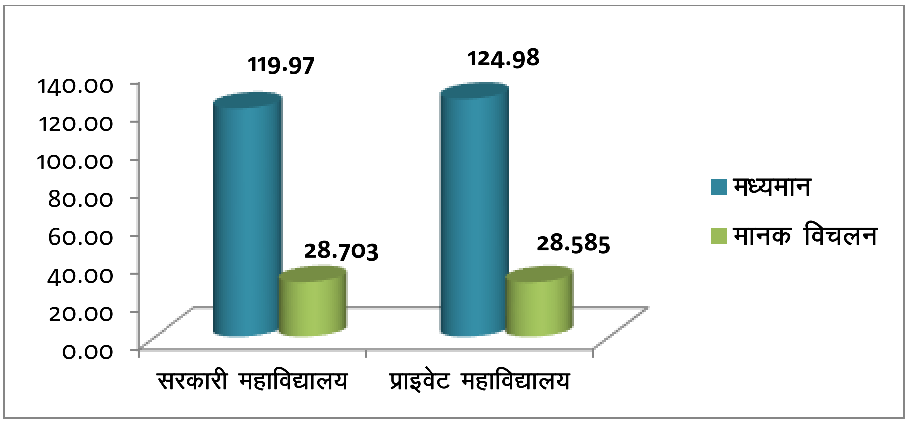

आरेख संख्या 1.7 सूचना प्रौधोगिकी संसाधनों एवं इण्टरनेट के उपयोग का विवरण।

आरेख संख्या 1.7 से अवलोकित होता है कि प्राइवेट महाविद्यालय के स्नातक स्तर के विद्यार्थी सरकारी महाविद्यालय के स्नातक स्तर के विद्यार्थियों से अधिक सूचना प्रौधोगिकी संसाधनों एवं इण्टरनेट के उपयोग करते पाये गये।

भाोध निश्कर्श एवं परिणाम–

भाोध के अन्तर्गत सरकारी एवं प्राइवेट महाविद्यालयों के अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों से प्राप्त आंकड़ों के सांख्यिकीकरण से प्राप्त निश्कर्श यह प्रदर्ि ात करते है कि प्राइवेट महाविद्यालयों की स्नातक स्तर के विद्यार्थियों द्वारा सूचना प्रोद्यौगिकी एवं इण्टरनेट संसाधनों का सुबह, दोपहर एवं रात के समय प्रयोग किया जाता है क्योंकि ये विद्यार्थी सो ाल मीडियां मे फेसबुक एवं इन्सटाग्राम, मॉक तथा यू–टयूब आदि विभिन्न संसाधनों का प्रयोग करने में सर्वाधिक संलग्न रहते है। इन संसाधनों के प्रयोग के लिए प्राइवेट महाविद्यालय के विद्यार्थी मोबाइल डाटा, ब्रॉडबैंड एवं वाईफाई के माध्यम से इण्टरनेट का प्रयोग करने करते है। सूचना प्रोद्यौगिकी एवं इण्टरनेट संसाधनों जैसे ऑनलाइन खेल, पाठ्यक्रम सम्बन्धित सामग्री का अध्ययन, समाचार पत्रों का अध्ययन तथा अन्य ऑनलाइन कार्यक्रमों में अधिक व्यस्थ पाये गये। यही कारण है कि प्राइवेट महाविद्यालयों के विद्यार्थी सर्वाधिक रूप से इण्टरनेट डाटा का प्रयोग करते है।

प्राइवेट महाविद्यालयों के विद्यार्थी उच्च स्तर का सूचना प्रोद्यौगिकी एवं इण्टरनेट संसाधनों का सर्वाधिक प्रयोग करते पाय जाते है, क्योंकि प्राइवेट महाविद्यालयों में सूचना प्रौद्योगिकी संसाधनों की उपलब्धता अधिक पायी जाती है जिसमें इण्टरनेट प्रयोग ााला, हाई स्पीड इण्टरनेट, कम्प्यूटर प्रयोग ाालाओं के द्वारा विद्यार्थियों को अधिक प्रि ाक्षित किया जाता है। यही कारण रहा कि कोरोना महामारी के समय प्राइवेट महाविद्यालयों के विद्यार्थियों की संख्या प्रतिएक समय इण्टरनेट के प्रयोग तथा विभिन्न इण्टरनेट संसाधनों का प्रयोग करने वाले विद्यार्थियों की संख्या अधिक पायी गयी। प्राइवेट महाविद्यालय के स्नातक स्तर के विद्यार्थी सरकारी महाविद्यालय के स्नातक स्तर के विद्यार्थियों से अधिक सूचना प्रौधोगिकी संसाधनों एवं इण्टरनेट के उपयोग करते पाये गये।

भौक्षणिक सुझाव–

कोरोना महामारी के दौरान सम्पूर्ण वि व एक जगह स्थिर सा हो गया था। जिस कारण बच्चों के मानसिक, भाारीरिक, समाजिक विकास रूक सा गया है। इण्टरनेटर एवं सूचना प्रौद्योगिकी संसाधनों ने इस विशम परिस्थितियों में प्रत्येक रूप से सहायता प्रदान कि। भौक्षणिक क्षेत्र जहॉ इण्टरनेट के माध्यम से ऑन लाइन ि ाक्षा द्वारा अपनी परीक्षाओं की तैयारी कर रह थे। इंटरनेट तथा सो ाल मीडियॉ के प्रयोग ने जहॉ से ओर विद्यार्थियों को सकारात्मक मार्ग प्रदान किया वही इनकी प्रयोग की अधिकता ने विद्यार्थियों को गलत आदतों की ओर भी अग्रसर

किया। इंटरनेट का ज्यादा प्रयोग हमारी एकाग्रता को भंग तथा अनेकों मानसिक, भारीरिक एवं संवेगात्मक रूप से बीमार किया। वर्तमान में वि व जगत के ज्ञान का भण्डार वर्तमान में इंटरनेट पर उपलब्ध है। अतः माता–पिता, विद्यालय प्रबन्धन एवं ि ाक्षकों एवं स्वमं विद्यार्थियों को चाहिए िकवे केवल अपने प्रयोग में आने वाली सामग्री का ही प्रयोग करे। साथ सभी माता पिता की जिम्मेदारी है कि वे अपने बच्चों को मानसिक व भारीरिक रूप से स्वस्थ रहने मे सहायक बने। उनका हौसला बढाये ताकि वे आने वाली सभी प्रकार कि समस्याओं का जीवन में सामना कर सके और ि ाक्षा के उद्दे यों को सकारा कर सकें।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची–

Bond M. Facilitating student engagement through the flipped learning approach in K-12: A systematic review. Computers & Education. 2020 Jul 1;151:103819.

https://xello.world/en/blog/student-engagement/what-is-student-engagement/

Christenson S, Reschly AL, Wylie C. Handbook of research on student engagement. New York: Springer; 2012 Feb 23.

Kahu ER, Nelson K. Student engagement in the educational interface: Understanding the mechanisms of student success. Higher education research & development. 2018 Jan 2;37(1):58-71.

Farley IA, Burbules NC. Online education viewed through an equity lens: Promoting engagement and success for all learners. Review of Education. 2022 Dec;10(3):e3367.

Hastomo T, Septiyana L. The Investigation of Students' Engagement in Online Class during Pandemic Covid-19. Jurnal Penelitian Ilmu Pendidikan. 2022 Oct 1;15(2).

Anugrahana A. Hambatan, solusi dan harapan: pembelajaran daring selama masa pandemi covid-19 oleh guru sekolah dasar. Scholaria: Jurnal Pendidikan Dan Kebudayaan. 2020 Sep 28;10(3):282-9.

Rahmatika R, Yusuf M, Agung L. The effectiveness of YouTube as an online learning media. Journal of Education Technology. 2021 Apr 8;5(1):152-8.

Qowi NH, Suratmi S, Faridah VN, Lestari TP, Pramestirini RA, Pamungkas NR, Karsim K. The effect of online learning on student satisfaction in nursing education during the COVID-19 pandemic. Jurnal NERS. 2022 Oct;17(2).

Anjarwati R, Saadah L. Student learning engagement in the online class. EnJourMe (English Journal of Merdeka): Culture, Language, and Teaching of English. 2021 Dec 28;6(2):39-49.

Ritonga AW, Zulfida S, Ritonga M, Ardinal E, Susanti D. The use of e-learning as an online based Arabic learning media for students. In Journal of Physics: Conference Series 2021 Jun 1 (Vol. 1933, No. 1, p. 012127). IOP Publishing.

Zhao J, Mushtaque I, Deng L. The impact of technology adaptation on academic engagement: a moderating role of perceived argumentation strength and school support. Frontiers in psychology. 2022 Jul 7;13:962081.

Kuh GD. The national survey of student engagement: Conceptual and empirical foundations. New directions for institutional research. 2009;141:5-20.

Trowler V. Student engagement literature review. The higher education academy. 2010 Nov 18;11(1):1-5.

Evans C, Mujis D, Tomlinson D. Engaged student learning: High impact strategies to enhance student achievement.

Macfarlane B, Tomlinson M. Critiques of student engagement. Higher Education Policy. 2017 Mar;30:5-21.

Tiyar FR, Khoshsima H. Understanding students' satisfaction and continuance intention of e-learning: Application of expectation confirmation model. World Journal on Educational Technology.

Copyright © 2023, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

2015 Dec 1;7(3):157-66.

Fauzi I, Khusuma IH. Teachers' elementary school in online learning of COVID-19 pandemic conditions. Jurnal Iqra': Kajian Ilmu Pendidikan. 2020 Jun 6;5(1):58-70.

Fahruddin F, Jana P, Setiawan J, Rochmat S, Aman A, Yuliantri RD. Student perception of online learning media platform during the COVID-19 pandemic. Journal of Education Technology. 2022 Mar 1;6(1):126-32.

Copyright © 2023, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies